VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 30 AUG 2022 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2211)

Name of Candidate	Ranveer Singh		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	319209
Center	MN	Date	29/8/22

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. The Cholas are inextricably linked with the zenith of Dravidian art and architecture. Comment. (150 words) 10
चोल द्रविड़ कला और स्थापत्य की पराकाष्ठा से अनन्य रूप से संबद्ध हैं। टिप्पणी कीजिए।

द्रविड़ कला और स्थापत्य की शुरुआत 7 वीं सदी में पल्लव काल से हुई। लेकिन 10 वीं सदी के चोल शासन के दौरान यह अपनी पराकाष्ठा पर पहुंच गयी।

चोल कला व स्थापत्य

① चोल मंदिर निर्माण कला

- चोल शासकों ने भारत के विशालतम मंदिरों का निर्माण करवाया। उस समय मंदिर सामाजिक-आर्थिक विकास के केंद्र बने।

- इन मंदिरों का गोपुरम अत्यंत विशाल थे।

(eg) राजराज प्रथम द्वारा निर्मित बृहदेश्वर मंदिर और राजेन्द्र प्रथम द्वारा निर्मित गंगईकोंड-चोलपुरम मंदिर आदि।

② चोल मूर्ति कला

- चोल शासकों द्वारा निर्मित उत्कृष्ट रूप से मूर्तियों से उत्कीर्णित थी

- चोल शासन के समय नटराज की कांस्य प्रतिमा बाद में निर्मित नटराज मूर्तियों का आधार बनी।

③ <u>नृत्य कला</u>

- चोल कला व संस्कृति के ~~उपासक~~ महान संरक्षक थे।
- चोल काल में मंदिरों में दासी नृत्य प्रथा बाद में <u>भरतनाट्यम</u> के रूप में विकसित हुई।

④ <u>साहित्य</u>

- महान तमिल कवि <u>कंबन</u> को ~~सम्राट~~ राजराज ने आश्रय दिया था।

फर्ग्यूसन ने चोल कलाकारों के बारे में टिप्पणी की है कि "चोल कलाकार राक्षसों की तरह सोचते है और जौहरियों की तरह तराशते है।" यह चोल स्थापत्य कला की विशालता व भव्यता को प्रदर्शित करता है।

चोल काल में बने बृहदेश्वर मंदिर, ऐरावतेश्वर मंदिर, गंगईकोंडचोलपुरम मंदिर ~~को~~ '<u>महान लिविंग टेम्पल ऑफ चोल</u>' के रूप में UNESCO के विश्वविरासत में शामिल है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Among the major legacies of the Indian freedom movement, civil liberties formed an important one. Analyse. **(150 words) 10**

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की प्रमुख विरासतों में, नागरिक स्वतंत्रता ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विश्लेषण कीजिए।

भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों आंदोलन ने नागरिक अधिकारों को केंद्र में रखकर संघर्ष किया।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान नागरिक स्वतंत्रता

① उदारवादी चरण के दौरान

- गोपाल कृष्ण गोखले, फिरोजशाह मेहता आदि नेताओं ने नागरिक स्वतंत्रता की वकालत की।

② स्वदेशी आंदोलन के दौरान

- बंग भंग आंदोलन के अत्यधिक प्रसार के कारण व लोकमान्य तिलक द्वारा लिखे लेखों की वजह से उन पर मुकदमा चलाया गया।

- इसकी तीव्र प्रतिक्रिया न केवल उग्रवादी नेताओं ने की बल्कि उदारवादी नेताओं ने भी की।

(3) 'प्रेस की स्वतंत्रता' सदैव प्रमुख मुद्दा रहा।

- सरकारी आलोचना का दमन करने के लिए सरकार ने अनेक अधिनियम पारित किए। जैसे भारतीय प्रेस अधि., वर्नाकुलर प्रेस एक्ट, 1878 आदि

- इसकी तीव्र प्रतिक्रिया स्वरूप के कारण लॉर्ड रिपन को वर्नाकुलर प्रेस एक्ट (1878) को वापिस लेना पड़ा।

(4) 'नेहरू रिपोर्ट' में भी प्रेस की स्वतंत्रता व नागरिक स्वतंत्रता के अधिकार को प्राथमिकता दी गयी।

(5) कांग्रेस के कराची अधि० 1931 में भी पारित मौलिक अधिकारों के पत्र में नागरिक स्वतंत्रता प्रमुख विषय था।

हालांकि सरकार ने रॉलेट एक्ट, 1919, भारतीय रक्षा अधि, 1915 ; IPC 124A आदि के माध्यम से नागरिक स्वतंत्रता का दमन करने का प्रयास किया लेकिन राष्ट्रवादियों ने न केवल बाहर बल्कि विधानमंडल में भी इस मुद्दे को मुखरता से उठाया व अंतत: विजयी हुए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. The Berlin Conference of 1884-85 in many ways set the ground for the scramble in Africa. Elucidate. **(150 words) 10**

1884-85 के बर्लिन सम्मेलन ने विभिन्न प्रकार से अफ्रीका में विभाजन का आधार तैयार किया। स्पष्ट कीजिए।

बेल्जियम द्वारा कांगो बेसिन क्षेत्र के अधिग्रहण के साथ ही यूरोपीय औपनिवेशिक शक्तियों ने अफ्रीका के आंतरिक भागों में पहुँच स्थापित करना प्रारंभ कर दिया।

इस प्रक्रिया में आपसी संघर्ष प्रारंभ होने लगा। इसी सन्दर्भ में 1884-85 का बर्लिन सम्मेलन आयोजित किया गया।

1884-85 का बर्लिन सम्मेलन –

- इस सम्मेलन में अफ्रीकी महाद्वीप का आपस में बंटवारे का आधार व नियम बनाए गए।
- नाइजर बेसिन में → ऊपरी क्षेत्र में फ्रांस
  ↳ निचले क्षेत्र में ब्रिटेन
- पश्चिमी सहारा पर स्पेन के अधिकार को मान्यता।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- ट्यूनिशिया पर फ्रांस के अधिकार को मान्यता दी गयी।

- कांगो व नाइजर नदी के प्रवाह को द्वारा परिवहन मुक्त रखा गया।

- कांगो बेसिन में कोई भी यूरोपीय औपनिवेशिक शक्ति पूंजी का निवेश कर सकती थी। बेल्जियम के राजा ने यह सहमति प्रदान की।

इस प्रकार अफ्रीका के विभाजन का आधार यूरोप में तैयार किया गया जिसमें अफ्रीकी लोगों की महत्वाकांक्षाएँ, संस्कृति आदि की अवहेलना की गयी। यह अफ्रीकी मानचित्र पर 30% सीधी सीमा रेखाओं से परिलक्षित होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. What is a cloudburst and what are its effects? Why are they more frequent in the Himalayan region? (150 words) 10

बादल फटना क्या है और इसके क्या प्रभाव हैं? हिमालयी क्षेत्र में इनकी आवृत्ति अधिक क्यों है?

बादल फटना एक क्षेत्रीय मौसमी परिघटना है, जिसमें कम समय में ही अत्यधिक वर्षा होती है। केदारनाथ व चमोली की गई

IMD के अनुसार घंटे से कम समय में 100 cm से अधिक वर्षा होना।

बादल फटने की घटना मैदानी भागों में भी हो सकती है लेकिन हिमालयी क्षेत्र में इनकी आवृति अधिक है।

प्रभाव

→ मृदा की ऊपरी परत का क्षरण
  ↳ पोषक तत्वों व उत्पादकता का ह्रास

→ भूस्खलन व लिक्विफेक्शन (liquifaction) के कारण ढालों की तीव्रता प्रभावित

→ जैवविविधता व वनावरण का ह्रास

→ मानवीय बस्तियों व जान-माल की हानि

- यातायात बाधित होना।

हिमालयी क्षेत्रों में आवृत्ति अधिक होने के कारण

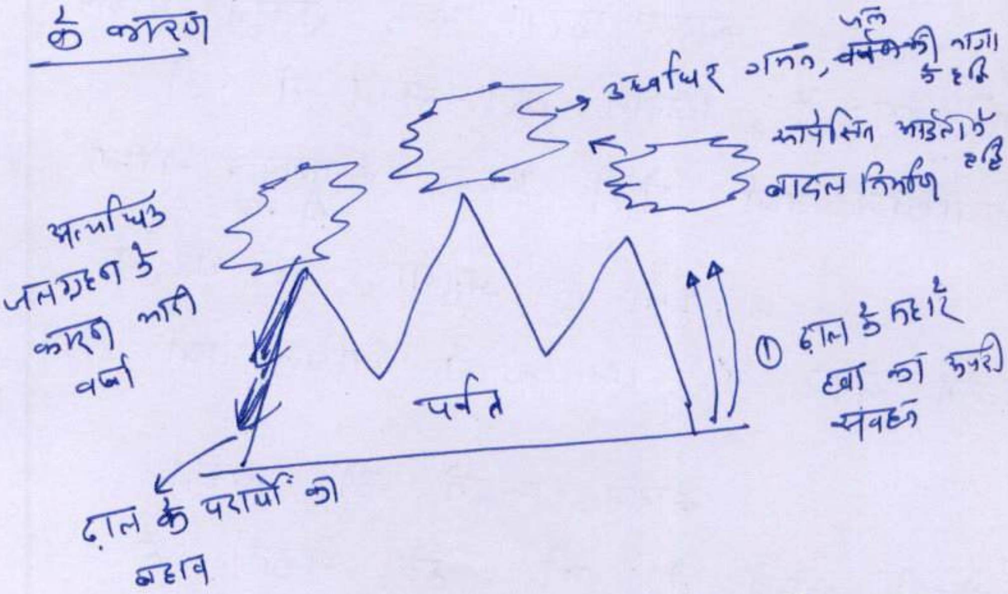

→ हिमालयी क्षेत्रों के ढाल के सहारे हवा का ऊपरी संवहन बादल निर्माण की प्रक्रिया को प्रेरित करती है।

→ बादलों के ऊपरी प्रवाह → आपेक्षिक आर्द्रता ↑
↓
जलग्रहण क्षमता ↑

→ कम अन्तराल होने के कारण तीव्र वर्षा

→ ढाल का मलबा बहाव → इसकी भयावहता में वृद्धि करता है।

बेहतर चेतावनी प्रणालियों का विकास कर तथा सुभेद्य क्षेत्रों की मैपिंग कर इससे होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Despite its potential, there are several challenges in the implementation of the Ken-Betwa Link Project. Discuss. (150 words) 10

केन-बेतवा लिंक परियोजना की क्षमता के बावजूद, इसके कार्यान्वयन में अनेक चुनौतियां विद्यमान हैं। चर्चा कीजिए।

केन- बेतवा लिंक परियोजना 231 किलोमीटर लम्बी नदी - जोड़ो परियोजना का हिस्सा है।

इसके माध्यम से उत्तरप्रदेश व मध्यप्रदेश की बेतवा व केन नदियों को बाँध की सहायता से आपस में जोड़ा जाएगा।

परियोजना की क्षमता

→ बुंदेलखंड क्षेत्र में पेयजल व सिंचाई जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

→ जल विद्युत उत्पादन क्षमता।

कार्यान्वयन में चुनौतियाँ -

① पर्यावरणीय चुनौती

- 1.8 m पेड़ों को काटा जाएगा।

- पन्ना टाइगर रिजर्व का अधिकांश भाग का जलनिमग्न होना

③ सामाजिक चुनौती

- जनजातियों का विस्थापन व पुनर्वास का मुद्दा → सांस्कृतिक विघटन

④ आर्थिक चुनौती

- लागत प्रभावी न होना
- हालांकि यह परियोजना NPP में आता है जो केन्द्र द्वारा वित पोषित है।

⑤ राजनीतिक चुनौती

→ लम्बे समय द्वारा UP व MP सरकार के बीच मेमोरेंडम पर हस्ताक्षर कर परियोजना प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है।
→ भूमि अधिग्रहण का मुद्दा।

विभिन्न पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान करने के लिए व्यापक EIA रिपोर्ट तैयार करनी चाहिए जिसमें जन सहभागिता सुनिश्चित कर परियोजना की क्षमता का लाभ उठाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Identify the issues related to production and supply of coal in India. How can these issues be addressed? **(150 words) 10**

भारत में कोयले के उत्पादन और आपूर्ति से संबंधित मुद्दों की पहचान कीजिए। इन मुद्दों का समाधान किस प्रकार किया जा सकता है?

भारत में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा कोयला भंडार है। इसके साथ ही भारत दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता व आयातक देश भी है।

भारत में कोयला उत्पादन व आपूर्ति से संबंधित मुद्दे

उत्पादन

(1) कोयला उत्पादन हेतु निम्नस्तरीय प्रौद्योगिकी
– गहन कोयला उत्पादन की क्षमता सीमित

(2) भारतीय कोयले में राख की उच्च मात्रा व कैलोरीफिक मान कम

(3) कश्मीर में स्थित कोयला (एन्थ्रेसाइट) उच्च श्रेणी का है परन्तु तकनीक का अभाव।

(4) सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी CIL की प्रधानता

(5) कोयला ब्लॉकों की नीलामी पर वास्तविक सक्रियता का अभाव

आपूर्ति से संबंधित मुद्दे

1. भ्रष्टाचार
2. आवश्यकता व आपूर्ति में असंतुलन
3. राख सहित कोयले का परिवहन महंगा
   - भारत में धुले हुए कोयले का परिवहन को प्रोत्साहित किया जा रहा है
4. परिवहन लागत (डार्क मर्चेंडाइजेशन)

समाधान

1. गहन तकनीक द्वारा कोयला निष्कर्षण संभव बनाना।
2. सर्वे द्वारा नयी कोयला खदानों का अनुमान लगाना।
3. स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन देना
4. अवैध कोयला खनन व रैट हॉल माइनिंग की तकनीक द्वारा निगरानी
5. धुले हुए कोयले का परिवहन भार को कम कर सकता है।
6. TAMRA, PRAVAH आदि एप्प द्वारा आपूर्ति - मांग में संतुलन स्थापित करना।
7. पृथक रेलवे कॉरिडोर का विकास।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Present the geographical distribution of agro-based industries in India and discuss the challenges faced by them. **(150 words) 10**

भारत में कृषि-आधारित उद्योगों के भौगोलिक वितरण को प्रस्तुत कीजिए और उनके समक्ष आने वाली चुनौतियों की विवेचना कीजिए।

भारत कृषि प्रधान देश है। यहां विभिन्न कृषि जलवायवीय प्रदेशों की उपस्थिति कृषि आधारित उद्योगों के भौगोलिक वितरण को संदर्भित करती है।

भारत में कृषि आधारित उद्योगों का भौगोलिक वितरण

भारत के प्रमुख कृषि उद्योग

कृषि आधारित उद्योगों के समक्ष प्रमुख चुनौतियाँ

① मौसमी प्रकृति
- अमर भारत में गन्ने की मिलें वर्ष में छह महीने कार्यरत रहती है।

② कच्चे माल की उपलब्धता
- जोतों का विखंडन व निर्वाह कृषि का प्रचलन

③ वित्तीय व तकनीकी बाधाएँ
- वस्त्र व जूट उद्योग
- रेशम उद्योग आदि प्रभावित है।

④ कानूनी बाधाएँ
- कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग का अभाव व ECA, 1955 खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में अनौपचारिकरण को बढ़ावा देता है।

⑤ अनौपचारिक क्षेत्र की प्रधानता - डेयरी उद्योग आदि

Way forward
- किसानों की आय दुगुनी करने व कृषि वस्तुओं की गुणवत्ता को कम करने के लिए तकनीक का समायोजन (बीजों पर R&D), औपचारिकरण, वित्त की उपलब्धता आदि पर ध्यान की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. The caste system continues to be one of the key drivers of poverty and inequality in India. Discuss. **(150 words) 10**
जाति व्यवस्था भारत में निर्धनता और असमानता के प्रमुख चालकों में से एक बनी हुई है। विवेचना कीजिए।

जाति भारतीय समाज की एक विशेषता है जो अतार्किक आधार पर सामाजिक स्तरीकरण को प्रेरित करती है।

जाति निर्धनता व असमानता की प्रमुख चालक

① निम्न जातियों (दलित आदि) के व्यवसाय करने पर प्रतिबंध
- → उच्च जातियों द्वारा विरोध
- → शिक्षा व कौशल तक पहुंच का अभाव
- → वित्त की उपलब्धता की कमी

आदि कारण जाति प्रेरित है

② ग्रामीण क्षेत्रों में (विशेषकर) निम्नजाति को परम्परागत व्यवसाय के लिए बाधित किया जाता है।
जैसे - निम्न जातियों के लोगों द्वारा वर्जित कार्य करना - मृत पशुओं को उठाना आदि।

③ भारत में S.C. व S.T. में निर्धनता व अशिक्षा राष्ट्रीय औसत से अधिक है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) जाति व्यवस्था सामाजिक गतिशीलता को बाधित करती है।

(eg) आज भी भारत में अन्तर्जातीय विवाहों का प्रचलन नहीं के बराबर है।

(5) उच्च जातियों द्वारा निम्न जाति के सामाजिक रूप से सशक्तिकरण का विरोध किया है (eg) - विधायिका व शैक्षणिक संस्थाओं में आरक्षण का।

इस प्रकार जाति व्यवस्था सामाजिक असमानता व निर्धनता के अन्य चालकों जैसे शिक्षा व कौशल तथा समता का अभाव आदि के साथ प्रमुख भूमिका निभाती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Discuss the issues faced by domestic workers in India. Also suggest measures that can be taken to empower them. **(150 words) 10**
भारत में घरेलू कामगारों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं की विवेचना कीजिए। साथ ही, उन्हें सशक्त बनाने हेतु किये जा सकने वाले उपायों का भी सुझाव दीजिए।

भारत में घरेलू कामगार व्यवसायिक रूप से असंगठित कार्यक्षेत्र है।

घरेलू कामगारों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याएँ

1. घरेलू कामगार मुख्यत: प्रवासी व निम्नवर्गीय महिलाएँ होती है → वे विभिन्न सामाजिक व यौनिक शोषण का शिकार होती है।
2. शिकायत निवारण प्रणाली का अभाव
3. कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन शोषण से सुरक्षा अधि. 2013 हालांकि घरेलू कामगारों को भी शामिल करता है लेकिन 'कार्यस्थल' की परिभाषा इस संदर्भ में अव्यवहारिक है।
4. शिक्षा व पहुँच का अभाव उन्हें संस्थागत समाधान से वंचित करता है।
5. न्यूनतम मजदूरी से कम व अनियत वेतन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सशक्त बनाने हेतु किए जाने वाले उपाय

① वैधानिक उपाय
- राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा प्रस्तावित घरेलू कामगार सुरक्षा अधि. ,2010 को पारित करना।

② क्षमता निर्माण
- घरेलू कामगारों को 'संघ' में शामिल करना व 'पंजीकरण' प्रक्रिया को अनिवार्य बनाना
- इन्हें विभिन्न कौशल व प्रशिक्षण प्रदान करना।

③ प्रभावी व निःशुल्क शिकायत निवारण प्रणाली की व्यवस्था करना, सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना

④ न्यूनतम मजदूरी अधिनियम में घरेलू कामगार को शामिल करना।

इस प्रकार विभिन्न प्रयासों के माध्यम से घरेलू कामगारों को संगठित अर्थव्यवस्था में शामिल करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Given the deeply gendered impact of population control measures, examine the need to rethink the current approach of population control measures in India. **(150 words) 10**

जनसंख्या नियंत्रण संबंधी उपायों के गहन लैंगिक प्रभाव को देखते हुए, भारत में जनसंख्या नियंत्रण उपायों के वर्तमान दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता का परीक्षण कीजिए।

भारत में परिवार व नियोजन कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, 2000 को लागू किया जा रहा है। इस नीति का दीर्घकालिक उद्देश्य जनसंख्या स्थिरीकरण (2045 तक) प्राप्त करना है।

जनसंख्या नियंत्रण उपायों का वर्तमान दृष्टिकोण

① विभिन्न योजनाओं द्वारा प्रजनन जागरूकता को बढ़ावा दिया जाना
- जनसंख्या स्थिरीकरण कोष द्वारा संचालित संचालित प्रेरणा, संतुष्टि आदि योजनाएँ

② आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से गर्भनिरोधकों की पहुंच सुनिश्चित करना।

③ बंध्याकरण उपायों को प्रोत्साहित करना।

④ सुकन्या समृद्धि योजना के जैसे प्रयासों से महिला शिक्षा को बढ़ावा।

इन दृष्टिकोणों का लैंगिक प्रभाव

- ये दृष्टिकोण व योजनाएँ सामान्यतः महिलाओं को लक्षित करती है
- महिलाओं को समाज में वैसे भी प्रजनन अधिकारों में स्वतंत्रता प्राप्त नहीं है। (NFHS-5)
- ऐसे में ये प्रभाव महिलाओं को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं।

आगे की राह

- WHO द्वारा अनुशंसित प्रजनन स्वास्थ्य की अवधारणा के माध्यम से जागरूकता सृजन करना
- IEC उपायों के माध्यम से संवेदीकरण प्रयास
- लैंगिक शिक्षा को प्रोत्साहित करना

इस प्रकार स्वैच्छिक व उचित उपायों द्वारा जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रयासों को प्रोत्साहित करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Examine the impact of the Sramana tradition on the Vedic religion and its relation with the emergence of Jainism, Buddhism and Ajivika sects.

(250 words) 15

श्रमण परंपरा के वैदिक धर्म पर प्रभाव और जैन, बौद्ध तथा आजीवक संप्रदायों के उद्भव के साथ इसके संबंध का परीक्षण कीजिए।

श्रमण परंपरा नास्तिक परम्परा से संबंधित है जो वेदों की सर्वोच्चता को अस्वीकार करती है। यह कर्म के सिद्धांत में विश्वास करती है।

श्रमण परम्परा का वैदिक धर्म पर प्रभाव

1. इसने वेदों की जटिल आनुष्ठानिक परम्परा को नकार दिया व सत्य की सरलतम व्याख्या की।
2. यह वेदों की अभिजात्यवादी संस्कृति (ब्राह्मण वर्चस्व) को नकारता है और वैश्यों, क्षत्रियों व शुद्रों को भी महत्व प्रदान करती है।
3. यह वैदिक धर्म के प्रतिक्रिया स्वरूप उत्पन्न परंपरा है जो सामाजिक समानता को प्रेरित करता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

श्रमण परम्परा का जैन धर्म के उद्भव के साथ संबंध

- जैन धर्म की उत्पत्ति लगभग 5 वीं सदी ईस्वी पूर्व में हुई। यह बौद्ध की पूर्ववर्ती धर्म है।
- जैन धर्म भी श्रमण परम्परा के अनुसार वेदों की सत्ता को नकारता है और कर्म सिद्धांत को महत्व प्रदान करता है।
- जैन धर्म प्रत्येक जीव में आत्मा का वास मानता है।
- इसके अनुसार सम्यक कर्म, सम्यक चरित्र आदि के कठोर अभ्यास से ज्ञान को पाया जा सकता है।

श्रमण परम्परा का बौद्ध धर्म के उद्भव के साथ संबंध

- बौद्ध धर्म की उत्पत्ति भी 6 वीं सदी ईसा पूर्व हुई।
- यह धर्म मध्यम मार्ग को प्रेरित करता है।

- इसके अनुसार अष्टांगिक मार्ग का अनुसरण कर सत्य को प्राप्त किया जा सकता है।
- यह सामान्यः तौर पर एक सुधारवादी धर्म था जिसने ब्राह्मणों के प्राधिकार को चुनौती दी। लेकिन इस धर्म के प्रचार-प्रचार में ब्राह्मणों ने भी भूमिका निभाई थी।

श्रमण परम्परा का आजीवक संप्रदाय के उद्भव में भूमिका

- आजीवक सम्प्रदाय भी 5वीं सदी ईसा पूर्व का धर्म है जो बौद्ध व जैन धर्म का विरोधी था।
- यह आत्मा को अस्वीकार करता है
- यह संप्रदाय कर्म के सिद्धांत को भी अस्वीकार करता है तथा नियतिवाद को प्रोत्साहित करता है।

इस प्रकार जैन, बौद्ध व आजीवक तीनों धर्म श्रमण परम्परा से जुड़े हुए है जो वेदों की सत्ता को अस्वीकार करते है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Shed light on the use of symbols and symbolic language by Mahatma Gandhi for both, integrating masses into the National Movement and against social evils. **(250 words) 15**

महात्मा गांधी द्वारा राष्ट्रीय आंदोलन में जनता को लामबद्ध करने हेतु और सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध, दोनों के लिए किए गए प्रतीकों और प्रतीकात्मक भाषा के उपयोग पर प्रकाश डालिए।

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गाँधी के पदार्पण ने राष्ट्रीय आंदोलन को जन आंदोलन बना दिया।

राष्ट्रीय आंदोलन में जनता को लामबद्ध करने में गाँधीजी द्वारा प्रयोग किए गए प्रतीक व प्रतीकात्मक भाषा का उपयोग

① जन सामान्य से समानता प्रदर्शित करना

- गाँधीजी ने अपना पहनावा साधारण कर जन सामान्य को प्रभावित किया।

② खादी व चरखे को प्रोत्साहन

- गाँधीजी के अनुसार खादी का उत्पादन गरीबों की आय का माध्यम हो सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ महिलाओं की भागीदारी हेतु

- गाँधी जी ने कहा कि ~~'पुरुषों'~~ महिलाओं में भी पुरुषों के समान संघर्ष करने की क्षमता है

- इस आह्वान के बाद इस आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती गयी।

④ नमक का मुद्दा

- गाँधी जी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान साधारण नमक के मुद्दे को संघर्ष का प्रतीक बनाया।

- क्योंकि नमक का विषय गरीबों की संवेदना से जुड़ा था।

सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध लामबंद करने में उपयोग किये गए प्रतीक व प्रतीकात्मक भाव।

- गाँधीजी छुआछूत जैसी बुराई को हिन्दू धर्म में सबसे बड़ी विकृति मानते थे इस हेतु उन्होंने निम्नलिखित प्रयास किये।

① अनशन व भूख हड़ताल

- पूना की यरवदा जेल से गांधीजी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ने जनता को प्रभावित करने के लिए अनशन प्रारंभ किया। वे प्रदर्शित करना चाहते थे कि वे इस मुद्दे को लेकर गंभीर हैं।

(2) हरिजन अभियान व पद यात्रा

- गाँधीजी ने दलितों का आर्थिक व सामाजिक उद्धार करने हेतु व लोगों को संवेदनशील बनाने हेतु।

(3) हृदय परिवर्तन का सिद्धांत

- गाँधी जी ने हृदय परिवर्तन के सिद्धांत द्वारा उच्च जातियों को छुआछूत को समाप्त करने का आग्रह किया।

(4) मंदिर प्रवेश आंदोलनों में व्यक्तिगत भागीदारी।

इस प्रकार गाँधीजी ने विभिन्न रणनीतियों के माध्यम से जनता को विशेष मुद्दे पर लामबंद किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Giving a brief overview of the three Carnatic Wars, discuss the factors that led to the success of the British against the French in the struggle for control over India. **(250 words) 15**

तीन कर्नाटक युद्धों का संक्षिप्त विवरण देते हुए, उन कारकों पर चर्चा कीजिए जिनके कारण भारत पर नियंत्रण के लिए संघर्ष में फ्रांसीसियों के विरुद्ध अंग्रेजों को सफलता प्राप्त हुई।

भारत में अंग्रेजी - फ्रांसीसी संघर्ष व्यापारिक प्रतिस्पर्धा से शुरु होकर राजनीतिक लाभ तक पहुंच गया था जिसमें अंततः अंग्रेजों की विजय हुई।

तीन कर्नाटक युद्धों ने अंततः भारत पर नियंत्रण करने के लिए अंग्रेजों के लिए मार्ग तैयार किया। जो निम्न प्रकार है -

① प्रथम कर्नाटक युद्ध (1740-48)
- फ्रांसीसी गवर्नर डुप्ले की राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने इस युद्ध को प्रेरित किया।
- अंततः एक्स-ला-शापेल संधि द्वारा यह युद्ध समाप्त हुआ।

② द्वितीय कर्नाटक युद्ध (1751-53)
- यह युद्ध भारतीय राजाओं के उत्तराधिकार हेतु युद्ध में फ्रांसीसी - अंग्रेजी अधिकारियों के हस्तक्षेप से शुरु हुआ।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ तृतीय कर्नाटक युद्ध (1758-63)

- इस अंतिम युद्ध में वांडीवाश की लड़ाई में फ्रांसीसी सेना की हार हुई।

* इन तीनों युद्धों ने भारतीय राजाओं की कमजोरी व व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को उजागर किया। व अंग्रेजी साम्राज्य को प्रशस्त किया।

निम्नलिखित कारणों से फ्रांसीसियों के विरुद्ध अंग्रेजों को सफलता प्राप्त हुई -

① फ्रांसीसी कंपनी सरकारी अधिकारिता में थी जबकि ब्रिटिश कंपनी निजी कंपनी थी।
- इसलिए फ्रांस सरकार के निर्णय फ्रांसीसी कंपनी को प्रभावित करते थे।

② बंगाल विजय (1757) के बाद अंग्रेज अपने युद्ध कौशल को लेकर आश्वस्त थे और पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध थे।

③ फ्रांस सरकार ने सक्षम गवर्नर डुप्ले को वापिस बुला लिया जबकि नव नियुक्त गवर्नर काउंट-डी-लाली अदूरदर्शी था। जबकि अंग्रेजी सेना में क्लाइव चतुर था।

④ ब्रिटेन हमेशा स्वाधीन रहा था जबकि फ्रांस की स्थिति यूरोप में कमजोर थी। वे निरंतर युद्धरत रहते थे। इस कारण फ्रांसीसी कंपनी की स्थिति भी कमजोर थी।

⑤ अंग्रेजों की नौ-सेना क्षमता फ्रांस से ज्यादा सक्षम थी।

इन सभी कारणों ने अंततः भारत पर नियंत्रण के संघर्ष में अंग्रेजों का मार्ग प्रशस्त किया और वे आगामी 200 वर्षों तक शासन करते रहे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Provide an account of the issues that led to a crisis in Punjab in the 1980s. Also, discuss the roadmap to peace that was eventually adopted.

(250 words) 15

1980 के दशक में पंजाब में संकट उत्पन्न करने वाले मुद्दों का विवरण प्रस्तुत कीजिए। साथ ही, शांति स्थापना की उस रूपरेखा पर चर्चा कीजिए जिसे अंततः अपनाया गया था।

स्वतंत्रता के समय व बाद में 1966 में पुनः पंजाब के विभाजन के कारण पंजाब के लोगों में उग्र भावनाएं जाग्रत हो गयी।

संकट उत्पन्न करने वाले मुद्दे - 1980 के दशक में उग्रवादी आंदोलन अलगाववादी आंदोलन में परिवर्तित हो गया और इसमें आतंकवाद का समायोजन हो गया।

- आतंकवादी पंजाब के स्वर्ण मंदिर में जमा हो गये और आतंकी कार्रवाई करने लगे। (खालिस्तान समर्थन)

इससे पंजाब की स्थिति विस्फोटक हो गयी थी। और उग्र सिक्खों ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या कर दी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

शांतिस्थापना की रूपरेखा

- नवनियुक्त प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी ने अकाली दल के अध्यक्ष के साथ शांति समझौता किया व निम्नलिखित प्रस्ताव रखा
  - ⇒ चंडीगढ़ पर नियंत्रण हेतु पंजाब को अधिकार का प्रस्ताव
  - ⇒ पंजाब में हिन्दी भाषी लोगों के लिए आयोग द्वारा हरियाणा में एकीकरण
  - ⇒ पंजाब में आर्म्ड फोर्सेज अधिनियम हटा लिया गया।

* लेकिन फिर भी आंदोलन जारी रहा और राष्ट्रपति शासन को संविधान संशोधन के मारिए 5 साल तक विस्तारित किया गया।

* सेना की कार्रवाई व राजनीतिक समझौतों के परिणामस्वरूप पंजाब में पुनः शांति स्थापित हुई।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. Give a brief account of the distribution of installed capacity of solar power in India. Highlighting the challenges in proper utilisation of solar energy, mention the steps taken by the government to promote it in India. **(250words) 15**

भारत में सौर ऊर्जा की संस्थापित क्षमता के वितरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए। सौर ऊर्जा के उचित उपयोग में विद्यमान चुनौतियों को रेखांकित करते हुए, भारत में इसे बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख कीजिए।

सौर ऊर्जा संस्थापन क्षमता में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है। भारत ने 2022 तक 100 GW सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है।

हालांकि वर्तमान में संस्थापित क्षमता लगभग 60 GW है। इसमें रूफटॉप सोलर पावर की भागीदारी न्यून है (जो कि 40 GW परिकल्पित की गयी थी)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सौर ऊर्जा के उचित उपयोग में विद्यमान चुनौतियाँ

- भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता तो वैश्विक रूप से तीसरे स्थान पर है पर उपयोग की क्षमता निम्न है। यह इसके निम्न चुनौतियाँ है -

① सौर ऊर्जा का ग्रिड में एकीकरण संबंधी चुनौतियाँ।

② सौर ऊर्जा आधिक्य क्षेत्रों से न्यून क्षेत्रों में पारगमन चुनौती

③ सौर ऊर्जा की इन्टरमिटेंट प्रकृति (सौर ऊर्जा की निरंतर उपलब्धता न होना)

④ सौर ऊर्जा भंडारण अवसंरचना (ब. बैटरी) आदि का अभाव।

सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदम

① नवीकरणीय ऊर्जा दायित्व
- DISCOM, बड़े कोयला प्लांट आदि के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लिए 21% नवीकरणीय ऊर्जा माध्यता के
से 10.5% सौर ऊर्जा की आनिवार्यता

(2) पाँचों क्षेत्रीय ग्रिडों का एकीकरण।
इसके माध्यम से सौर आधिक्य से न्यून
क्षेत्रों के स्थानांतरण आसान होगा।

(3) सौर ऊर्जा टैरिफ को SERC द्वारा विनियमन।

(4) बैटरी अवसंरचना में निवेश।
— ISRO द्वारा निर्मित लिथियम
आयन बैटरी तकनीक का
औद्योगिकीकरण

(5) भंडारण के लिए हाइड्रोजन सेल को प्रोत्साहन
व निवेश।

(6) PM-KUSUM योजना के माध्यम से
सोलर पंपों का उपयोग बढ़ाना।

विभिन्न उपायों के माध्यम से
सरकार सौर ऊर्जा को प्रोत्साहन दे रही है
सौर पैनलों के निर्माण हेतु PLI स्कीम का
विस्तार इस दिशा में सार्थक उपाय हो
सकता है, जो लागत को कम करेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Post-drift theories based on ocean floor mapping provided new dimensions to the study of distribution of oceans and continents. Elaborate.

(250 words) 15

महासागरीय-अधस्तल के मानचित्रण पर आधारित उत्तरवर्ती प्रवाह सिद्धांत ने महासागरों और महाद्वीपों के वितरण के अध्ययन को नए आयाम प्रदान किए हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

महाद्वीपीय विस्थापन या प्रवाह सिद्धांत ने वेगनेर द्वारा के आधार पर महाद्वीपों के विस्थापन का सिद्धांत प्रतिपादित किया।

(*) लेकिन महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत

- विस्थापन के लिए जनक बलों के बारे में व्याख्या स्थापित नहीं कर पाया।
- ~~इस~~ सिद्धांत ने विस्थापन हेतु आवश्यक बलों में पोलर फ्लीरिंग बल व गुरुत्वाकर्षण (पूर्व के) बल को बताया — जो कि अपर्याप्त था।

इसलिए बाद में संवहन धारा सिद्धांत व महासागरीय अधस्तल के मानचित्र पर आधारित ~~महा~~ प्लेट टेक्टॉनिक सिद्धांत ने महाद्वीपों के वितरण के अध्ययन को नया आयाम प्रदान किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

महासागरीय अध्ययन के कार्यक्रम से प्राप्त जानकारी -

① मध्य महासागरीय कटक के पास/ समानांतर चट्टानों की उत्पत्ति व सागरीय तल में विस्तरण हो रहा है। (अभिसारी सीमा / अपसारी)
जबकि दूसरी ओर भू-पर्पटी का क्षेपण हो रहा है। (अपसारी / अभिसारी सीमा)

② मध्य महासागरीय कटक के दोनों ओर स्थित चट्टानों की चुम्बकीयता समान है व एकान्तर क्रम में अवस्थित है। (धनात्मक व नकारात्मक)

③ महासागरीय भूपर्पटी महाद्वीपीय भूपर्पटी से अधिक नवीन है।

इन सिद्धांतों / परिणामों ने प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत की पुष्टि की।

प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत के अनुसार-

→ दुर्बलतामंडल में स्थित संवहनीय धाराएँ भूपर्पटी की प्लेटों के संचलन के लिए जिम्मेदार है।

→ जहाँ दो प्लेटों का अभिसरण होता है

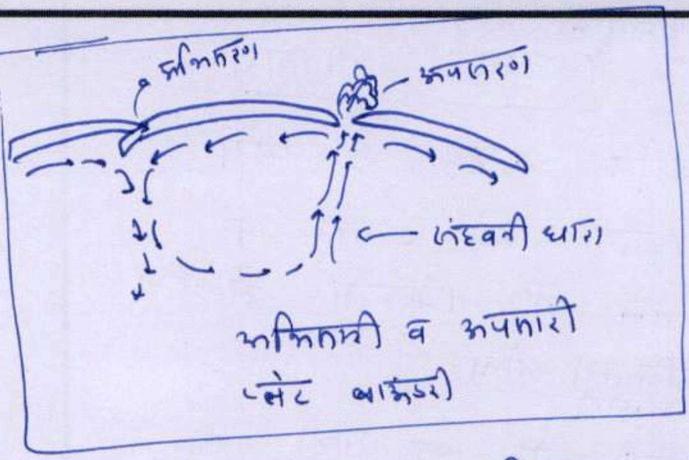

वहाँ भूपर्पटी का विनाश होता है

- जहाँ अपसरण होता है वहाँ नये पर्पटी का निर्माण होता है

- वर्तमान में भी प्लेटें चलायमान हैं। जैसे भारतीय प्लेट अभी भी यूरेशियन प्लेट की ओर गतिशील है।

- इस सिद्धांत ने अंत: प्लेट पर्वतों के निर्माण व भूकंप जनन की प्रक्रिया को स्पष्ट किया।

इस प्रकार प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत ने महासागरों व महाद्वीपों के वितरण के अध्ययन में महासागरीय अधस्तल के मानचित्रण का प्रयोग किया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Explain the phenomenon of heat waves. Also, enumerate the conditions favourable for the development of heat waves in India and their associated health impacts. **(250 words) 15**

हीट वेव्स की परिघटना की व्याख्या कीजिए। साथ ही, भारत में हीट वेव्स के विकास के लिए अनुकूल परिस्थितियों और उनसे संबद्ध स्वास्थ्य प्रभावों को सूचीबद्ध कीजिए।

हीट वेव्स असामान्य रूप से उच्च तापमान की स्थिति होती है। IMD के अनुसार यदि किसी क्षेत्र में औसत सामान्य ताप से 5-7°C तापमान अधिक हो व ऐसी स्थिति लगातार तीन दिनों तक दर्ज की जाए तो इसे हीट वेव घोषित किया जाता है।

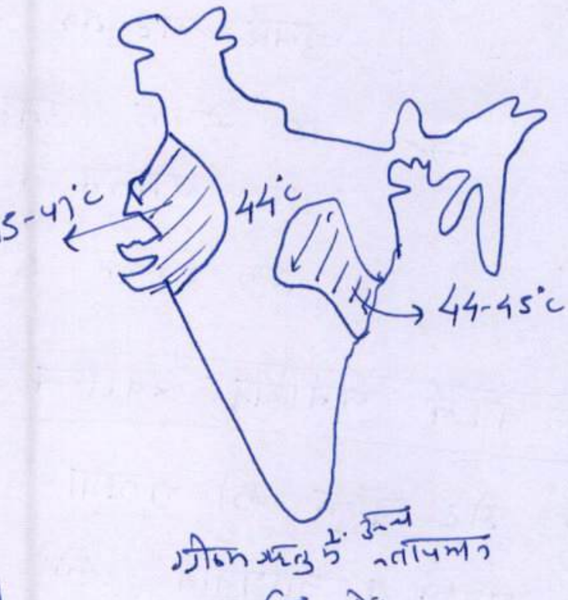

भारत में हीट वेव के विकास के लिए अनुकूल स्थिति

① अप्रैल मई महीने में प्रतिचक्रवातीय स्थिति जो तापमान के संतुलन को प्रभावित करती है।

(2) अरब देशों से आने वाली गर्म हवाएँ

(3) उत्तरी भारत में महाद्वीपीयता का प्रभाव

(4) जलवायु परिवर्तन व वैश्विक तापमान के कारण हीट वेव प्रभावित क्षेत्र में वृद्धि।

(*) भारत में गत वर्षों में न केवल हीट वेव के लिए अनुकूल समयावधि में वृद्धि हुई है बल्कि इससे प्रभावित क्षेत्रों में भी वृद्धि हुई है।

⇒ हीट वेव अप्रैल से कभी-कभी जुलाई माह तक प्रवाहित होती है।

⇒ यह केवल उत्तर-पश्चिमी भारत तक सीमित न होकर गंगा घाटी तक विस्तृत हुआ है।

हीट वेव से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव

→ हीट स्ट्रोक की समस्या

→ मनुष्य व प्राणिजात की शारीरिकी विज्ञान व व्यवहारात्मक प्रक्रियाएँ प्रभावित होती है।

→ लम्बे समय तक हीट स्ट्रोक के कारण मृत्यु की संभावना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ NDMA ने हीट वेव को "साइलेंट डिजास्टर" माना है जिसमें प्रतिवर्ष हजारों लोगों की मृत्यु होती है।

हालांकि प्रभावी उपायों के माध्यम से इसके प्रभावों का अनुकूलन किया जा सकता है—

① हीट वेव एक्शन प्लान (2015)
- → सुभेद्य लोगों की पहचान करना
- → स्वास्थ्य सुविधाओं को ठीक रखना
- → स्वास्थ्य कर्मियों का प्रशिक्षण
- → पशुचारे की व्यवस्था
- → सार्वजनिक शीतलन की व्यवस्था

② स्थानीय निकायों व समुदायों की क्षमता में वृद्धि करना।

③ स्थानीय लोगों के NGO के साथ सहभागिता

स्थानीय व परम्परागत ज्ञान के साथ आधुनिक तकनीक के बेहतर समायोजन द्वारा हीट वेव के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Providing an account of distribution of rainforests across the world, mention their key characteristics. Also highlight the threats that are being faced by tropical rainforests. **(250 words) 15**

विश्व भर में वर्षावनों के वितरण का विवरण प्रस्तुत करते हुए, उनकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। साथ ही, उष्णकटिबंधीय वर्षावनों द्वारा सामना किए जा रहे खतरों को भी रेखांकित कीजिए।

वर्षावन सामान्यतः विषुवतरेखीय प्रदेशों में पाए जाते है जहां 200 cm से ज्यादा वार्षिक औसत वर्षा होती है
eg. ब्राजील, इक्वेडोर, इंडोनेशिया आदि

विश्वभर में वर्षावनों का वितरण

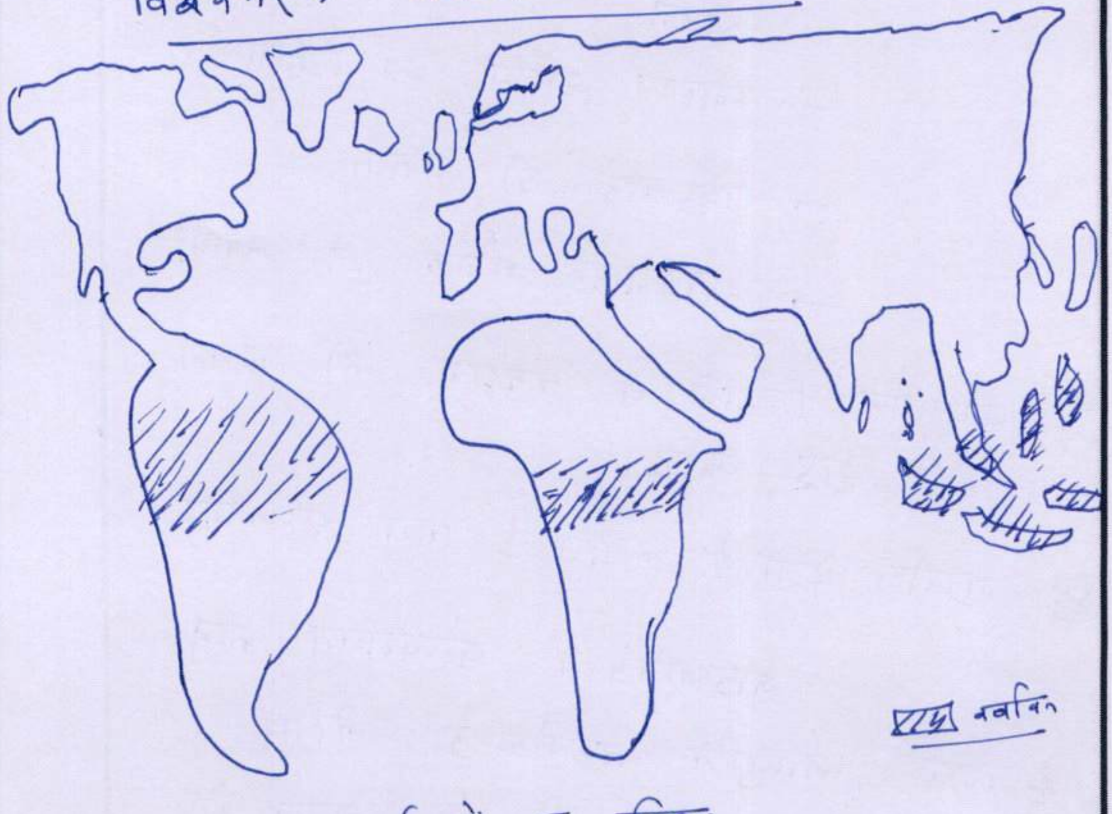

वर्षावनों का वितरण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विशेषताएँ

① कई स्तरों की पादप प्रणाली।
- लम्बे वृक्षों के साथ छोटे आकार वाले लताएं व वृक्ष

② विविध प्रजाति के पेड़ों का संकेंद्रण
(उच्च जैव विविधता)

③ कठोर लकड़ी, निष्कर्षण अत्यधिक कठिन

④ उदा- रबर, महोगनी, रोजवुड आदि

उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों द्वारा सामना किए जाने वाले विभिन्न खतरे

① खनिज संसाधनों के दोहन हेतु वृक्षों की कटाई
- इक्वेडोर व ब्राजील द्वारा पेट्रोलियम व कीमती धातुओं के निष्कर्षण के लिए कटाई।
- इक्वेडोर की जैव विविधता सम्पूर्ण उत्तरी अमेरिका से ज्यादा
⇒ जैव विविधता का ह्रास

② वनाग्नि की निरंतर बढ़ती घटनाएँ
- हाल ही में अमेजन वनों में
- अमेजन वनों को पृथ्वी के फेफड़े कहा जाता है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- ENSO प्रभाव के कारण इंडोनेशिया के वनों में आग सामान्य परिघटना है।

③ विकासात्मक गतिविधियों के कारण विघटन

(a) मलेशिया व इंडोनेशिया में चीन की BRI परियोजना के निर्माण के कारण वर्षावनों की कटाई की जा रही है।

समाधान

① विकसित राष्ट्रों को REDD+ आदि कार्यक्रमों के माध्यम से विकासशील देशों को वनों के संरक्षण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना।

② पर्यावरण अनुकूल विकास को बढ़ावा देना।

③ वन-संरक्षण में स्थानीय समुदायों की भागीदारी निभाना

④ विदेशी प्रजातियों के प्रभाव को रोकना।

वर्षावन व्यापक जैव विविधता के आधार हैं। इनका संरक्षण करना सम्पूर्ण प्राणिजगत के अस्तित्व का मुद्दा है अतः आपसी भागीदारी के माध्यम से वन संरक्षण को बढ़ावा देना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. Indian cities are not only mimicking the social and cultural structures of inequality and exclusion found in rural areas but are also creating fault lines for future conflicts. Discuss. **(250 words) 15**

भारतीय शहर न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में पाई जाने वाली असमानता और बहिष्करण की सामाजिक और सांस्कृतिक संरचनाओं की नकल कर रहे हैं, बल्कि भविष्य के संघर्षों के लिए दोषपूर्ण स्थिति का भी निर्माण कर रहे हैं। विवेचना कीजिए।

2011 की जनसंख्या के अनुसार शहरों में 31.2% आबादी निवास करती है। 2011 में भारतीय शहरों की जनसंख्या में वृद्धि का प्रमुख कारण गाँवों से शहरों में प्रवासन था।

शहरों में प्रवासन का लाभ

- सामाजिक असमानता व भेदभाव से मुक्ति
- आर्थिक अवसरों की उपलब्धता
- स्वतंत्रता व समानता

लेकिन भारतीय शहरों ने ग्रामीण क्षेत्रों में पायी जाने वाली सामाजिक व सांस्कृतिक बहिष्करण की ~~संस्कृति~~ संरचना की नकल कर रहे है -

① शहरों के वर्गीय संरचना जातिगत संरचना व पदानुक्रम से मेल रखती है।

- उच्च वर्ग के लोग सामान्यतः उच्च जातियों के लोग है।

(2) निम्न जातियों के लोग शहरी क्षेत्रों में भी निम्नस्तरीय कार्यों में संलग्न है।
   - (eg)- अनौपचारिक कार्य जैसे - ठेले पर सामान विक्रय
   - सीवरेज सफाई कर्मियों की नियुक्ति में सर्वाधिक भागीदारी

(3) दिल्ली जैसे कई शहरों में जनजातियों की सांस्कृतिक प्रताड़ना।
   - eg. कोविड में विशिष्ट शब्दों के जनजातियों के साथ दुर्व्यवहार

(4) धार्मिक आधार पर भेदभाव
   - दिल्ली में आज भी भवन किराये के समय धार्मिक पहचान को वरीयता दी जाती है।

(5) महिलाओं की स्थिति में असंतोषजनक सुधार
   - शहरों में भी कामकाजी महिलाएँ दोहरी जिम्मेदारी से पीड़ित है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भविष्य के संघर्षों की दोषपूर्ण स्थिति का निर्माण

① वर्तमान में होने वाला सामाजिक भेदभाव भविष्य में व्यापक विद्रोह, दंगों, अपराधों में परिवर्तित हो सकता है

② UN हैबिटेट रिपोर्ट ने शहरों को मानव सभ्यता व विकास के इंजन व सामाजिक सम्मिलन के क्षेत्र कहा है लेकिन भारतीय शहरी सामाजिक विकेंद्रीकरण व स्तरीकरण की प्रक्रिया द्वारा अन्याय को प्रेरित कर रहे हैं।

③ पीढ़ी दर पीढ़ी सामाजिक अन्याय अंततः शहरी विकास क्षमता को बाधित करते है

इसलिए शहरों को सामाजिक सम्मिलन व सांस्कृतिक मिश्रण के केंद्र बिंदु होना चाहिए। 2050 तक भारतीय शहरी जनसंख्या 50% होगी जो अपनी सामाजिक मेल की अवधारणा द्वारा आर्थिक विकास को प्रेरित करेगी। इस हेतु वर्तमान में सामाजिक ढाँचे में परिवर्तन की आवश्यकता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. Examine the multi-dimensional impact of globalisation on tribal development in India. **(250 words) 15**

भारत में जनजातीय विकास पर वैश्वीकरण के बहुआयामी प्रभाव का परीक्षण कीजिए।

वैश्वीकरण विभिन्न संस्कृतियों, समाजों के एकीकरण, परस्पर निर्भरता व अन्तर्सम्बद्धता का परिणाम है। वैश्वीकरण का प्रभाव प्रत्येक सामाजिक समूह पर पड़ा है। इस क्रम में इसने जनजातियों को भी प्रभावित किया है।

जनजातीय विकास पर वैश्वीकरण के सकारात्मक प्रभाव

① IT तकनीक का प्रसार व पहुंच
→ स्वतंत्रता व अन्य मूल्यों में वृद्धि की है
⇓
अवसरों की उपलब्धता में वृद्धि, शिक्षा की उपलब्धता

② रोजगार के अवसर → जनजातिय क्षेत्रों में उद्योगों का विकास
↓
व्यापार में वृद्धि (TRIFED)

③ SDG प्राप्त करने के लिए सरकारों पर जनजातीयों के विकास की

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मुख्य धारा में शामिल करने का दबाव

eg विभिन्न NGOs की भागीदारी, नागरिक समाज की सरकार के साथ सहयोग।

→ नीलगिरी बायनाड जनजातीय विकास संगठन जनजातीयों की शिक्षा, स्वास्थ्य व कौशल में वृद्धि कार्य है।

(5) पर्यटन के माध्यम से बाहरी संस्कृति के साथ मिश्रण → वैचारिक विविधता

→ जनजातीय संस्कृति का प्रसार

eg - झारखंड का ग्रामीण टूरिज्म सर्किट

✓ राजस्थान का जनजातीय टूरिज्म

जनजातीयों पर वैश्वीकरण का नकारात्मक प्रभाव

(1) पहचान का संकट

– विकासात्मक विस्थापन ने सांस्कृतिक विघटन को प्रेरित किया है।

(2) पर्यटन के सांस्कृतिक दुष्प्रभाव

– पर्यटन ने जनजातीय संस्कृति को दूषित किया है।

– संस्कृति का बाजारीकरण किया है।

(eg) जारवा जनजाति A&N का मुद्दा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) सीमांतीकरण की समस्या
→ विकासात्मक विस्थापन व शहरी क्षेत्रों में निम्नस्तरीय रोजगार (शिक्षा व कौशल का अभाव) ने सीमांतीकरण को प्रेरित किया है।
प्रभाव – विद्रोह, अलगाववाद व नक्सलवाद की समस्या

(5) वैश्वीकरण व निजीकरण ने सरकार की कल्याणकारी भूमिका को सीमित किया है व निजी क्षेत्र ने जनजातियों (लाभ के लिए) के शोषण को प्रेरित किया है।
(eg) उड़ीसा के नियामगिरी पहाड़ी पर बॉक्साइट खनन हेतु POSCO कंपनी

इसलिए वैश्वीकरण के सकारात्मक प्रभावों को समायोजित करने व नकारात्मक प्रभावों का शमन करने के लिए जनजातियों की समता विकास को प्रोत्साहित करना चाहिए।